

न्यायालय सहायक कलक्टर एवं उपखण्ड अधिकारी सांचौर, जालोर



पीठासीन अधिकारी : भूपेन्द्र कुमार यादव आर.एस.

प्रकरण संख्या 02/2018 अन्तर्गत धारा 88 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 एवं धारा 136 राजस्थान भू राजस्व अधिनियम 1956

अनवान

वादी

जयकिशन उर्फ किशनाराम पुत्र गोविन्दा उर्फ गोमदा

जाति विश्नोई निवासी सरनाऊ तहसील सांचौर।

प्रतिवादी

राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार सांचौर।

निर्णय

दिनांक 07.01.2021

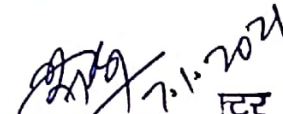
वादी द्वारा जरिये अधिवक्ता उपस्थित होकर दावा अन्तर्गत धारा 88 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 एवं धारा अन्तर्गत राज.भू. राजस्व अधिनियम 1956 इस प्रकार पेश किया कि मुझ वादी को किशनाराम व जयकिशन दोनों नाम से तथा मेरे पिता को गोविन्दा व गोमदा दोनो नाम से पुकारा जाता था। चूंकि मैं मेरे पिता के परिवार में मैं जब छोटा था तब परिवार वाले मुझे लाड प्यार में दोनो नामो से पुकारते थे।

मैं वादी बालिग हुआ तब मैंने वाके सरहद मौजा सरनाऊ में गुणेशा वल्द रावल जाति विश्नोई निवासी सरनाऊ से एक खेत पुराना खसरा नम्बर 143 रकबा 1 बीघा 8 बीस्वा जिसके नवीन खसरा नम्बर 335 रकबा 0.09 हैक्टर व 257/1437 रकबा 0.12 हैक्टर जुमले रकबा 0.21 हैक्टर भूमि जरिये बैचान सन् 1972 में खरीद की, उस वक्त मैंने बैचान दस्तावेज में मेरा नाम जयकिशन वल्द गोविन्दराम लिखवाया था। जबकि मेरे अन्य सरकारी दस्तावेजों में मुझे दोनो नामो से पुकारने व जानने के कारण मेरा नाम किशनाराम लिखवाया तथा मेरे राशन कार्ड में भी मेरा नाम किशनाराम लिखवाया। इस प्रकार मेरे द्वारा खरीद की गई भूमि में मेरा नाम जयकिशन के नाम से खातेदारी दर्ज की गई। जबकि मेरी अन्य पैतृक सम्पत्ति के खेत जो वाके सरहद सरनाऊ में खाता संख्या 324 में खेत खसरा संख्या 257/1438, 326 वगैरा के आये हुये हैं जिसमें मुझ वादी का नाम किशनाराम वल्द गोविन्दा दर्ज है।

मेरे दोनो राजस्व खातो में अलग अलग नाम नाम होने से मुझे हर सरकारी कार्यों में काफी परेशानी होती है। जबकि किशनाराम उर्फ जयकिशन पुत्र गोविन्दा उर्फ गोमदा जाति विश्नोई निवासी सरनाऊ नाम का अन्य कोई भी व्यक्ति हमारे ग्राम सरनाऊ में नहीं है। मुझे सरकारी कार्यों में दोनों नाम अलग अलग हो जाने से काफी परेशानी होने पर मैंने मेरे नाम की राजस्व खाते में शुद्धि करने हेतु आज से करीबन 15 रोज पहले मैं पटवारी हल्का सरनाऊ के पास गया तो पटवारी ने कहा कि तुम्हारे दोनों नामो की शुद्धि के लिये न्यायालय में जाकर तुम्हें कार्यवाही करनी पड़ेगी। जिस पर यह दावा हाजा पेश करने की नौबत पैदा हुई। मुखासमात दावे से है।

मुझ वादी द्वारा खरीदसुदा खेत खसरा संख्या 257/1437 व 335 जुमले रकबा 0.21 हैक्टर की जमाबन्दी व मुझ वादी के नाम भरा गया नामान्तरकरण संख्या 127 व मेरे अन्य पैतृक सम्पत्ति के खातेदारी के खेतों की जमाबन्दी व मेरे अन्य सरकारी दस्तावेज आधार कार्ड, पहचान पत्र व राशन कार्ड की प्रति साथ पेश की गई है। जिससे साफ जाहिर होता है कि मुझ वादी के दोनो खातों में अलग अलग नाम दर्ज है। जिससे सुधारा जाना न्यायसंगत होने से यह वाद पेश किया जा रहा है।

वाद पेश कर वादी की निम्न इस्तदुआ है :-


सहायक कलक्टर
सांचौर

अ - वाके सरहद मौजा सरनाऊ के खेत खसरा संख्या 257/1437 रकबा 0.12 हैक्टर एवं 335 रकबा 0.09 हैक्टर जुमले रकबा 0.21 हैक्टर में मुझ वादी का नाम जयकिशन की बजाय किशनाराम वल्द गोविन्दा उर्फ गोमदा के नाम से खातेदारी दर्ज करने हेतु खातेदारी की डिकी बहक वादी विरुद्ध प्रतिवादी सादिर फरमाई जावे।

ब - वाके सरहद मौजा सरनाऊ के खेत खसरा संख्या 257/1437 रकबा 0.12 हैक्टर एवं 335 रकबा 0.09 हैक्टर जुमले रकबा 0.21 हैक्टर में राजस्व रेकॉर्ड में जयकिशन वल्द गोविन्दा के स्थान पर किशनाराम वल्द गोविन्दा उर्फ गोमदा के नाम की रेकॉर्ड दुरुस्ती करने हेतु प्रतिवादी को आदेशित फरमावे।

दावा दर्ज रजि. किया जाकर तलबी प्रतिवादी जरिये समन की गई। प्रतिवादी ने उपस्थित होकर जवाब इकबालिया इस प्रकार पेश किया कि गत खसरा नम्बर 143 हाल खसरा नम्बर 335 रकबा 0.09 व 257/1437 रकबा 0.12 हैक्टर कुल 0.21 हैक्टर में वादी द्वारा जरिये रजिस्ट्री खरीदा है। खरीदते समय वादी ने किशनाराम की जगह पर जयकिशन नाम लिखवाया। वादी के अन्य पैतृक खातों में किशनाराम दर्ज है यदि वादी का नाम जयकिशन की जगह किशनाराम किया जाता है तो राज पैरोकार को कोई आपत्ति नहीं है।

वादी द्वारा साक्ष्य में PW1 जयकिशन स्वयं, PW2 पीराराम पुत्र अर्जुन, PW3 सोनाराम पुत्र गोमदा पेश किये।

प्रस्तुत साक्ष्यों एवं दस्तावेजों का अवलोकन किया गया। वादी द्वारा आराजी खेत खसरा नम्बर 143 रकबा गणेश पुत्र रावल कौम विश्णोई निवासी सरनाऊ तहसील सांचौर से जरिये पंजीकृत विक्रयनामा दिनांक 15.07.1972 को क्रय किया था। पंजीकृत बेचाननामों में वादी का नाम जयकिशन पुत्र गोविन्दराम अंकित है। विक्रय पत्र के आधार पर खोला गया नामान्तरण जयकिशन पुत्र गोविन्दराम के नाम दर्ज किया गया।

प्रस्तुत मिलान क्षेत्रफल के अनुसार खसरा नम्बर 143 से नये खसरा नम्बर 335 एवं 257/1437 सृजित हुये। हाल जमाबंदी EX2 में उक्त खसरे खातेदार जयकिशन पुत्र गोविन्दा के नाम दर्ज है। वादी के अनुसार उसके अन्य सभी दस्तावेजों यथा राशन कार्ड, पहचान पत्र व अन्य खसरो खाता संख्या 324 मौजा सरनाऊ में नाम किशनाराम पिसरान गोविन्दाराम दर्ज है। अतः नाम दुरुस्त कर जयकिशन की जगह किशनाराम दर्ज किया जावे।

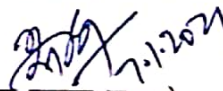
प्रमाण पत्र ग्राम पंचायत सरनाऊ क्रमांक ग्रा.पं.सं./ SPL-1 दिनांक 07.01.2018 के अनुसार किशनाराम व जयकिशन पुत्र गोविन्दाराम एक ही व्यक्ति हैं। किशनाराम को जयकिशन के नाम से भी पुकारते हैं।

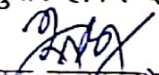
प्रस्तुत साक्ष्यों, प्रमाण पत्र ग्राम पंचायत सरनाऊ एवं अन्य दस्तावेजों के अवलोकन से प्रतीत होता है कि वादी को जयकिशन एवं किशनाराम दोनों नामों से पहचाना जाता है। जिस कारण पंजीयन कराते समय जयकिशन नाम दर्ज कराया। वादी के अनुसार वो बुजुर्ग एवं अशिक्षित है। तथा पंजीयन के समय आने वाली बाधाओं को नहीं समझता था इसी कारण दोनों नामों से दस्तावेज बनवाये।

अतः प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर वादी का वाद स्वीकार कर तहसीलदार सांचौर को आदेश दिये जाते हैं कि हाल जमाबंदी खाता संख्या 86 खसरा नम्बर 257/1437 एवं 335 मौजा सरनाऊ में जयकिशन उर्फ किशनाराम पुत्र गोविन्दा दर्ज किया जावे।



निर्णय आज दिनांक 07.01.2021 को सरे इजलास सुनाया गया। पत्रावली फ़ैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो।


(मपेन्द कुमार यादव)
सहायक कलेक्टर
सांचौर
उपखण्ड अधिकारी सांचौर


सहायक कलेक्टर
उपखण्ड अधिकारी सांचौर

डिगरी बमुकदमें इब्तदाई

(आर्डर 20, रूल 6-7 जाब्ता दीवानी)

(Civil Procedure code, Appendix 'D' -1)

अज अदालत सहायक कलेक्टर मुकाम सांचौर
 बदजलास श्री श्रीपति कुमार भादव [RAAS]
 किशोराम डफ कमिश्नर बनाम सरकार जिरमे भूमिपारी तहसीलदार सांचौर

दावा बाबत BB RP. A. P. व 136 R.L.R. A. P.

मुकदमा नं. 02 सन् 2018

यह मुकदमा आज वास्ते इनफिसाल कतई रुबरु पक्षकार

व हाजरी श्री अशवती अलाद बालेत मिनजानिब मुदई व प्रतिवादी संख्या
1 तहसीलदार सांचौर मिनजानिब मुदायलाह पेश होकर हुकम दिया जाता है व डिगरी दी जाती है

कि उल्लूत साक्ष्यों के आधार पर वादी का दावा स्वीकार कर तहसीलदार
सांचौर को आदेश दिने जाते हैं कि हाल जभावेदी खारा से 86 ख. म.
257/1437 एच 325 मोम सदाय में अशवती डफ किशोराम डफ डफेकिडा दर्ज गिनाम
 लीज प्रोना दरगाड मुवलिक बावत

खर्चा इस मुकदमें के मय सूद व शरह फिसदी सालाना आज की तारीख से
 तारीख सुलयावी तक को अदा करे।

इब्तद मेरे दस्तखत व मुहर अदालत के आज तारीख 07 माह 01 20 21



सहायक कलेक्टर

	रुपया	पै.	मुदई	संशोधन	पै.
स्टाम्प अरजीदावा			स्टाम्प वकालतनामा		
स्टाम्प वकालतनामा			स्टाम्प अरजी		
स्टाम्प वजह सवूत			महनताना वकील } पर		
महनताना वकील			खर्चा गवाहान		
खर्चा गवाहान			फीस कमिश्नर		
फीस कमिश्नर			बाबत ईजराय हुकमनामा		
बाबत ईजराय हुकमनामा			मुतफरिंक		
मुतफरिंक					
मीजान.....			मीजान.....		

नोट:-इस खर्च के फार्म पर कुल खर्चा हरफरीकान का चाहे डिगरी के जरिये दिलाया गया हो या नही दर्ज करना चाहिए।

सहायक कलेक्टर
 सांचौर